

सपरिवार वि. (तत्.) परिवार के लोगों के सहित जैसे- सपरिवार पधारिये।

सपरेटा दूध पुं. (देश.+तद्.) वह कच्चा दूध जिसमें से मशीन द्वारा मक्खन निकाल लिया गया हो, क्रीम निकाला दूध।

सपर्ण वि. (तत्.) जो पत्तियों से युक्त हो।

सपर्या स्त्री. (तत्.) 1. पूजा, अर्चना 2. सेवा 3. सत्कार।

सपर्याय वि. (तत्.) जो पर्याय युक्त हो।

सपर्व वि. (तत्.) 1. पर्व युक्त जैसे- अँगुलियों के पर्व सहित 2. गाँठ युक्त जैसे- सपर्व बाँस या लाठी 3. जो पर्व उत्सव या त्योहार से युक्त हो।

सपल्लव वि. (तत्.) पल्लव=पत्तों के सहित।

सपाट वि. (तत्.) 1. जो समतल हो, अर्थात् जो तल ऊँचा या नीचा न हो, चौरस जैसे- सपाट दरवाजा 2. जो एक ही सीध में दूर तक चला गया हो 3. जिस भूमि में कोई वृक्ष, पर्वत आदि न हों, चौरस, जो समतल वाला क्षेत्र हो, सपाट खेत मैदान पुं. गणि.ज्या. 180 का सरल या ऋजु कोण।

सपाट बयानी स्त्री. (फा.) 1. किसी बात पर बिना लाग लपेट के खरा या स्पष्ट कथन 2. साफ सुथरी बात काव्य. सामान्य बोलचाल की भाषा से युक्त वह मार्मिक कथन जो किसी प्रकार की आलंकारिकता से युक्त न हो।

सपाटा पुं. (देश.) 1. तेज गति वाली चाल, दौड़ झपट 2. थप्पड़, तमाचा जैसे- सैर-सपाटा-मौज मस्ती के लिए घूमना।

सपाद वि. (तत्.) 1. पाद सहित, चरणसहित 2. चार चरणों में से एक चरणयुक्त, चतुर्काशयुक्त 3. सवाया, सवा।

सपिंड पुं. (तत्.) धर्मशास्त्र की दृष्टि से एक ही काल की या वंश की सात पीढ़ियों तक के लोग जो अपने पूर्वजों को पिंडदान करने के अधिकारी होते हैं।

सपिंडी स्त्री. (तत्.) मृतक के निमित्त वंशजों द्वारा किया जाने वाला वह श्राद्ध कर्म जिसमें पिंडदान

द्वारा उसे पितरों में मिलाते हैं, यह श्राद्ध कर्म मृत्यु के एक वर्ष पश्चात् उसके पुत्र या वंशज द्वारा सम्पन्न किया जाता है।

सपिंडीकरण पुं. (तत्.) एक प्रकार का श्राद्ध जिसमें मृतक को एक विशेष पिंडदान की प्रक्रिया के अनुसार पितरों में मिलाते हैं।

सप्रिय वि. (तत्.) 1. प्रिय युक्त 2. पति या प्रेमी से युक्त क्रि.वि. प्रिय जन के साथ, प्रिय सहित।

सप्रिया स्त्री. (तत्.) प्रिया से युक्त क्रि.वि. पत्नी, प्रेमिका के साथ।

सपीड़ वि. (तत्.) पीड़ा युक्त, पीड़ित।

सपीला वि. (तद्.) स्वप्न के समान प्रतीत या अनुभव होने वाला, स्वप्न के सदृश, स्वप्न के रूप में।

सपुच्छ वि. (तत्.) जो पुच्छ युक्त हो, पूँछवाला, दुमवाला।

सपुर्द वि. (अर.) 1. सुरक्षा, पालन-पोषण आदि के लिए किसी को सौंपा हुआ 2. उचित कार्यवाही, विचार आदि के लिए किसी अधिकारी के हाथ सौंपा हुआ दे. सुपुर्द।

सपूत पुं. (तत्.) कुल कीर्ति को बढ़ाने वाला पुत्र, उत्तम पुत्र, सुपुत्र विलो. कपूत।

सपूती वि. (तत्.) 1. सपूत होने के भाव 2. सुपुत्रवाली 3. पुत्रवती स्त्री. पुत्रवती स्त्री, उत्तम पुत्र की माता विलो. कपूती।

सपेट स्त्री. (देश.) झपट, तीव्रता।

सपेटा पुं. (देश.) 1. महोगनी वृक्ष का फल, चीकू 2. कच्चे दूध को मथकर निकाला गया मक्खन।

सपेला पुं. (देश.) 1. साँप का छोटा बच्चा 2. पोवा 3. छोटा साँप।

सप्तचाशत् वि. (तत्.) सत्तावन।

सप्त वि. (तत्.) जो छः से एक अधिक हो पुं. सात की संख्या।

सप्त ऋषि पुं. (तत्.) सात ऋषियों का समूह 1. शतपथ ब्राह्मण के अनुसार गौतम, भरद्वाज, विश्वामित्र, जमदग्नि, वसिष्ठ, कश्यप, और